CBSE Test Paper 04

संवाद लेखन

1. वस्तुओं की निरंतर बढ़ती महँगाई की चिंता को लेकर दो महिलाओं में होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।
2. हमारे देश में आए दिन लोग यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। इस विषय पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।
3. यात्री और बस चालक के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।
4. बस से उतरने की हड़बड़ाहट में आप अपने सहयात्री को धक्का दे बैठते हैं, जिससे उसका सामान गिर जाता है। इस स्थिति पर अपने सहयात्री से माफ़ी माँगते हुए उसके और आपके बीच हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

CBSE Test Paper 04

संवाद लेखन

Answer

1. पहली महिला - दीदी! महँगाई के कारण मेरा मार्केट जाने का मन नहीं करता।
   दूसरी महिला - इस महँगाई के युग ने मध्यम वर्ग के लोगों का जीना हराम कर दिया है।
   पहली महिला - दीदी! जब सारे भ्रष्ट होने तो महँगाई तो बढ़ेगी ही।
   दूसरी महिला - तुम ठीक कहती हो! शायद सरकार भूखा मारकर ही देश की जनसंख्या को घटाना चाहती हो।
2. **संदीप -** विपिन! एक बात से मेरा मन बहुत दुःखी हो गया।
   विपिन - दोस्त! किस बात से तुम दुःखी हो गए?
   संदीप - कल मैंने जगह-जगह पर लोगों को ट्रैफ़िक नियमों का उल्लंघन करते हुए देखा।
   विपिन - यह कौन-सी नई बात है? यह सब तो चलता रहता है।
   संदीप - यही सोच तो बदलनी है। नियमों का उल्लंघन करके, हमें अपने साथ-साथ दूसरे लोगों के जीवन को भी संकट में डालने का कोई हक नहीं है।
   विपिन - वास्तव में, अपने देशवासियों की सोच बदलना, उनसे नियमों का पालन करवाना बहुत मुश्किल है, किंतु असंभव नहीं है। हमें लोगों को जागरूक करना होगा।
   संदीप - तुम ठीक कहते हो। इसके लिए हमें कुछ और लोगों को भी साथ लेकर एक संगठन बनाना होगा।
3. यात्री - भाई। बस कितने बजे चलेगी?
   चालक - साढ़े पाँच बजे।
   यात्री - लेकिन साढ़े पाँच तो हो गए हैं, फिर देरी क्यों?
   चालक - बस चलने ही वाली है।
   यात्री - आजकल बसों के चलने का कोई समय नहीं है। आपकी इच्छा से चलती है।
   चालक - आप बिना वजह ही मुझसे बहस कर रहे हैं। हमारी बसों का समय है और हम उसी के अनुसार चलते हैं।
4. **सहयात्री** - भाई साहब! जरा सँभलकर उतरिए।
   आप - जी महोदय, लेकिन मुझे थोड़ी जल्दी है।
   सहयात्री - (गुस्से से) जल्दी तो सभी को है, मुझे भी हैं। लेकिन आपकी जल्दबाज़ी के कारण आपने मुझे धक्का देकर मेरा सामान गिरा दिया। अरे! मेरा सामान पकड़ो.....।
   आप - माफ़ कीजिए, मेरा इरादा आपका सामान गिराकर आपको कष्ट पहुँचाना नहीं था।
   सहयात्री - वह तो ठीक है, भाई साहब। पहले सामान उठाने में मेरी मदद तो कीजिए।
   आप - जी, अवश्य। (सामान उठाकर सहयात्री को देते हुए) यह लीजिए अपना सामान। मेरे कारण हुई असुविधा के लिए मैं पुनः आपसे माफ़ी माँगता हूँ।
   सहयात्री - समझ सकता हैं कि आपने जान-बूझकर ऐसा नहीं किया और फिर आपने मेरी सहायता भी की। इसके लिए आपका धन्यवाद।